IJARSCT
ISSN (Online) 2581-9429
International Journal of Advanced Research in Science, Communication and Technology (IJARSCT)
International Open-Access, Double-Blind, Peer-Reviewed, Refereed, Multidisciplinary Online Journal
Impact Factor: 7.53
Volume 4, Issue 3, January 2024

# कौशल्या बैसंत्री की 'दोहरा अभिशाप' में दलित महिला का दोहरा संघर्ष

**जनकसिंह टी. सोलंकी[1]**

**शोधार्थी, हेमचंद्राचार्य उत्तर गुजरात विश्वविद्यालय, पाटण (HNGU)[1]**

**डॉ. शिरीन एम. शेख[2]**

**शोध निर्देशक, हेमचंद्राचार्य उत्तर गुजरात विश्वविद्यालय, पाटण (HNGU)[2]**

**(एस.बी. महिला आर्ट्स कॉलेज, हिंमतनगर)**

**सारांश :**

**कौशल्या बैसंत्री की आत्मकथा *'दोहरा अभिशाप'* में दलित महिलाओं के दोहरे संघर्ष—जातिगत और लैंगिक उत्पीड़न—का मार्मिक चित्रण है। यह आत्मकथा भारतीय समाज में दलित महिलाओं के अनुभवों, सामाजिक अन्याय, उत्पीड़न, और उनके जीवन संघर्षों को उजागर करती है। बैसंत्री ने न केवल जातिगत अत्याचारों को सहा, बल्कि महिला होने के नाते भी उन्होंने कई प्रकार की चुनौतियों का सामना किया। इस शोध-पत्र में उनकी आत्मकथा का विश्लेषण किया गया है, जिसमें दलित महिला की पीड़ा, संघर्ष, और समाज में न्याय की लड़ाई को केंद्र में रखा गया है।**

**प्रमुख शब्द: दलित विमर्श, नारी अस्मिता, जातिगत उत्पीड़न, लैंगिक संघर्ष, सामाजिक न्याय**